India Development Foundation
of Overseas Indians

वार्षिक रिपोर्ट
2016–2017

विषय–सूची

1	अध्यक्षा का संदेश	2
2	प्रवासी भारतीयों का भारत विकास प्रतिष्ठान (आईडीएफ–ओआई) का परिचय	6
3	न्यासी–बोर्ड	8
4	न्यासी–बोर्ड की बैठकें	9
5	हम किस प्रकार काम करते हैं	10
6	प्रस्तुत की जा रही परियोजनाएं	12
7	प्रवासी भारतीयों से प्राप्त अंशदान	16
8	आउटरीच कार्यकलाप	20
9	प्रवासी भारतीय दिवस 2017	22
10	लेखा–परीक्षित वित्तीय विवरण संक्षिप्तियां	24

अध्यक्षा का
संदेश

‘‘आईडीएफ–ओआई एक ऐसा मंच है जिसके माध्यम से प्रवासी भारतीय भारत के विकास में वित्तीय रूप से योगदान कर सकते हैं। यह अपनी जड़ों से जुड़ने का एक जरिया है। यह अपनी मातृभूमि के प्रति अपने ऋण को चुकाने का एक साधन है।’’

भारतीय डायस्पोरा भारत में अपने मूल स्थान के लिए परोपकार करने एवं योगदान करने में सक्षम हो सकें, इस उद्देश्य से प्रेरित होकर भारत सरकार द्वारा वर्ष 2008 में प्रवासी भारतीयों का भारत विकास प्रतिष्ठान (आईडीएफ–ओडीआई) की स्थापना की गई। पिछले तीन वर्षों की कालावधि में आईडीएफ–ओआई एक ऐसा मंच बन गया है जिसके माध्यम से प्रवासी भारतीय शिक्षा, स्वच्छता, हैल्थकेयर, महिला सशक्तिकरण और दीर्घस्थायी आजीविका जैसे क्षेत्रों में भारत में सामाजिक और विकास परियोजनाओं में योगदान कर सकते हैं।

मई 2015 में अपने अधिदेश में किए गए संशोधन के बाद आईडीएफ–ओडीआई प्रवासी भारतीयों के बीच भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों – स्वच्छ भारत मिशन और क्लीन गंगा मिशन, और राज्यों द्वारा अभिचिह्नित सामाजिक और विकास परियोजनाओं का प्रचार–प्रसार कर रहा है। राज्य सरकारों के साथ भागीदारी में काम करके आईडीएफ–ओआई ने प्रवासी भारतीयों द्वारा वित्तपोषण किए जाने के लिए परियोजनाओं के एक पूल का चयन किया है और ऐसे परियोजना अनुवीक्षण एवं क्रियान्वयन तौर–तरीके लागू किए हैं जो इसके प्रचालनों में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही हासिल करने में सहायक रहे हैं।

2016–17 में, प्रवासी भारतीयों से प्राप्त धन से आईडीएफ–ओआई ने पंजाब के अमृतसर शहर में और आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा और तिरुपति नगरों में परियोजनाएं पूरी कीं हैं जिनसे हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। 2017–18 में जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम और तेलंगाना में स्वच्छता, बाल शिक्षा, हैल्थकेयर और महिला एवं बाल विकास जैसे क्षेत्रों में परियोजनाएं लागू की जाएंगी। प्रवासी भारतीयों द्वारा किए गए योगदानों का कुशल वितरण सुनिश्चित करने के अलावा, आईडीएफ–ओडीआई इन परियोजनाओं के यथासमय निष्पादन से सक्रियतापूर्वक जुड़ा रहा है।

चूंकि आईडीएफ–ओआई प्राप्त होने वाले योगदानों से किसी भी प्रकार के प्रशासनिक प्रभारों की कटौती नहीं करता है इसलिए, प्रवासी भारतीयों से प्राप्त निधियों का पूरी तरह परियोजना के कार्यान्वयन के लिए उपयोग किया जा रहा है। अंशदान करने में प्रवासी भारतीयों को सहूलियत हो, इसके लिए जुलाई 2016 में एक ऑनलाइन भुगतान गेटवे का शुभारंभ किया गया।

2016–17 में, आईडीएफ–ओआई ने विदेश में अनेक प्रवासी भारतीयों और भारतीय संघों के साथ जुड़ने के लिए अपने आउटरीच को बढ़ाया। बेंगलुरु में 7 से 9 जनवरी, 2017 तक आयोजित 14वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में आईडीएफ–ओआई की भागीदारी संगठन के बारे में जागरूकता बढ़ाने और प्रवासी भारतीय समुदायों को जोड़ने और योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करने की दृष्टि से उपयोगी रहीं।

आईडीएफ–ओआई को 2016–17 के दौरान अपने न्यासीमंडल के सदस्यों से अत्यन्त बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। न्यासीमंडल का फरवरी 2017 में पुनर्गठन किया गया और इसमें कई प्रमुख ग्लोबल लीडरों को शामिल किया गया है जो अगले दो वर्षों में आईडीएफ–ओआई का मार्गदर्शन करेंगे।

यह वार्षिक रिपोर्ट 2016–17 में आईडीएफ–ओआई द्वारा की गई प्रगति और भारत में विकास कार्यक्रमों में भारतीय डायस्पोरा को फिर से जोड़ने की पहल का एक संक्षिप्त ब्यौरा देती है।

श्रीमती सुषमा स्वराज

विदेश मंत्री और अध्यक्ष, आईडीएफ–ओआई

प्रवासी भारतीयों का भारत विकास प्रतिष्ठान (आईडीएफ–ओआई) का परिचय

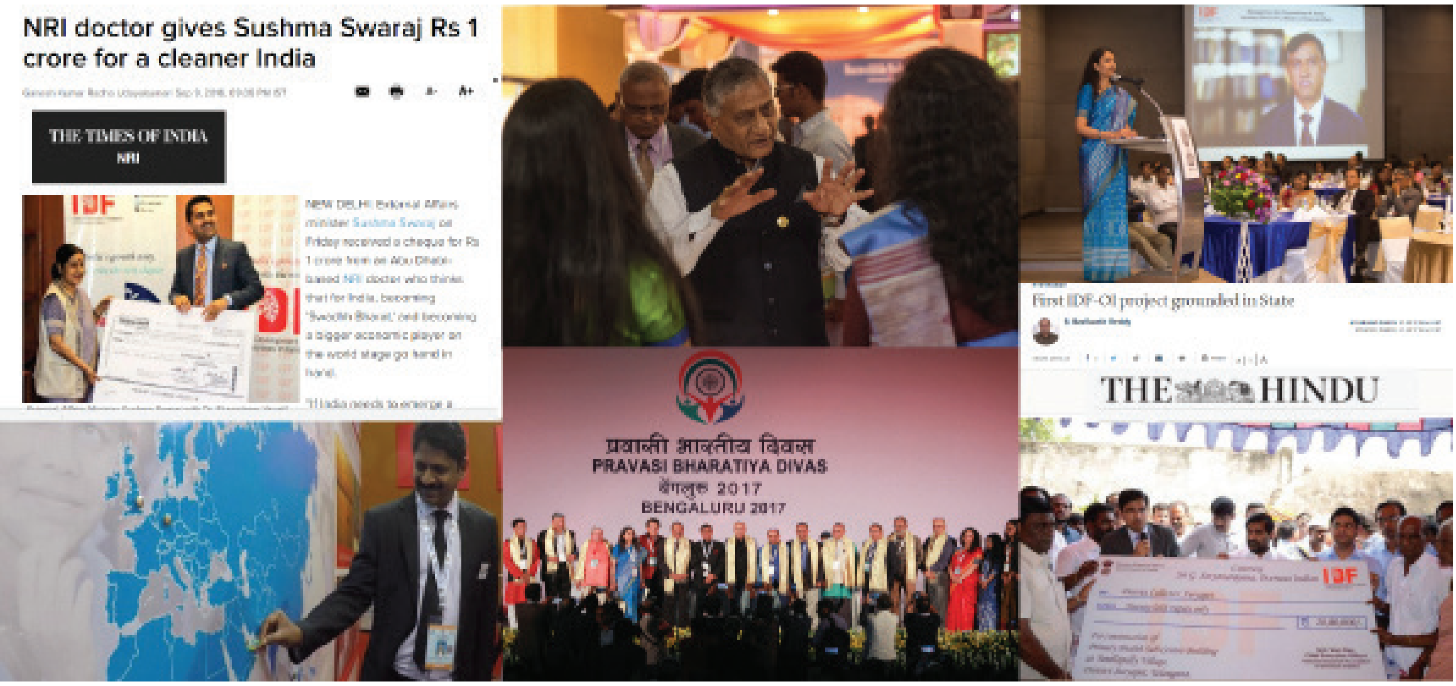

प्रवासी भारतीय परोपकारिता को भारत में सामाजिक एवं विकासपरक परियोजनाओं से जुड़ने की सुविधा प्रदान की जाए, इसके लिए भारत सरकार ने वर्ष 2008 में मंत्रिमंडल के अनुमोदन से प्रवासी भारतीयों का भारत विकास प्रतिष्ठान (आईडीएफ–ओआई) की एक अलाभकारी न्यास के रूप में स्थापना की। इस न्यास को गृह मंत्रालय के विदेश अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए), 2010 के उपबंधों से छूट–प्राप्त है जो आईडीएफ–ओआई को विदेशों से अंशदान प्राप्त करने के योग्य बनाता है।

आईडीएफ–ओआई का प्रशासन श्रीमती सुषमा स्वराज, माननीया विदेश मंत्री की अध्यक्षता वाले न्यासी–बोर्ड द्वारा किया जाता है। सचिव (ओआईए एवं सीपीवी), विदेश मंत्रालय न्यास के पदेन उपाध्यक्ष होते हैं। यह बोर्ड भारत सरकार द्वारा नामित 13 अन्य न्यासियों से बना हुआ है जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है:

1. चार न्यासी ऐसे प्रसिद्ध प्रवासी भारतीयों में से जो डायस्पोरा परोपकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं।
2. चार न्यासी ऐसे प्रसिद्ध निवासी भारतीयों में से जो भारत में परोपकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं।
3. चार न्यासी जो अपनी पदेन हैसियत में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, वित्त एवं नीति आयोग से भारत सरकार के मंत्रालयों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
4. आईडीएफ–ओआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जो सदस्य सचिव भी होते हैं।

आईडीएफ–ओआई अपने प्रचालनात्मक खर्चों तथा अपने कार्यकलापों एवं आउटरीच कार्यक्रमों के लिए प्रशासनिक लागत को पूरा करने के लिए भारत सरकार से सहायता अनुदान प्राप्त करता है। इसलिए, आईडीएफ–ओआई प्रवासी भारतीयों से प्राप्त अंशदानों से कोई भी प्रचालनात्मक या प्रशासनिक प्रभारों की कटौती नहीं करता है।

अधिदेश

आईडीएफ–ओआई का मौजूदा अधिदेश प्रवासी भारतीयों द्वारा निधीयन के द्वारा निम्नलिखित परियोजनाओं को बढ़ावा देना है:

स्वच्छ भारत मिशन

क्लीन गंगा मिशन

राज्य सरकारों द्वारा अभिचिह्नित सामाजिक एवं विकास परियोजनाए नम्नलिखित क्षेत्रों में

- शिक्षा
- स्वच्छता
- हैल्थकेयर
- महिला एवं बाल विकास

न्यास के उद्देश्य

- प्रवासी भारतीयों द्वारा भारत में परोपकारी कार्य किए जाने की अगुआई करना।
- प्रवासी भारतीयों को विश्वसनीय संस्थानों, परियोजनाओं और कार्यक्रमों की सूची उपलब्ध कराना।
- भारत में परोपकार से संबंधित सभी प्रकार की सूचना के लिए एक क्लीयरिंग हाउस के रूप में काम करना।
- भारत में राज्यों के साथ भागीदारी करना और विश्वसनीय भारतीय परोपकारी संगठनों को प्रोत्साहित करना।
- डायस्पोरा परोपकारिता में जवाबदेही एवं 'अच्छी परिपाटियों' को बढ़ावा देना।

न्यासी मंडल

अध्यक्षा
श्रीमती सुषमा स्वराज
माननीया विदेश मंत्री, भारत सरकार

उपाध्यक्ष
श्री ध्यानेश्वर एम. मुलय
सचिव (ओआईए एवं सीपीवी), विदेश मंत्रालय

प्रसिद्ध प्रवासी भारतीय

श्री भारत बरई, मेडिकल
डायरेक्टर, कैंसर इन्स्टीच्यूट, मेथोडिस्ट हॉस्पिटल, इंडियाना, यूएसए

श्री युसुफ अली
चेयरमैन एण्ड मैनेजिंग डायरेक्टर, लुलु इंटरनेशनल, यूएई

श्री जोगिंदर पाल सेंगर
चेयरमैन, मॉस्क्रॉफ्ट लि., यू.के.

श्री वाई. सुधीर शेट्टी
प्रेसीडेंट, यूएई एक्सचेंज सेंटर, यूएई

प्रसिद्ध निवासी भारतीय

श्री श्री रविशंकर
प्रेसीडेंट, आर्ट ऑफ लिविंग, बेंगलुरू

श्री वारा प्रसाद रोंगाला
मैनेजिंग डायरेक्टर, इन्वेन्सिस टेक्नोलॉजीज, बेंगलुरू

स्वामी चिदानंद सरस्वती
अध्यक्ष, परमार्थ निकेतन आश्रम

पदेन सदस्य

श्री राजीव महर्शि
गृह सचिव

डा. एस. जयशंकर
विदेश सचिव

श्री शक्तिकांत दास
सचिव, आर्थिक–कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय

श्री अमिताभ कांत
सीईओ, नीति आयोग

मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सदस्य सचिव

श्रीमती वाणी राव
संयुक्त सचिव (ओआईए ।।), विदेश मंत्रालय

न्यासीमंडल (बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज) की बैठकें

पहली बोर्ड बैठक – 04 नवंबर, 2009, नई दिल्ली

दूसरी बोर्ड बैठक – 28 सितंबर, 2012, नई दिल्ली

तीसरी बोर्ड बैठक – 26 फरवरी, 2014, नई दिल्ली

चौथी बोर्ड बैठक – 23 मई 2015, नई दिल्ली

पांचवीं बोर्ड बैठक – 05 दिसंबर 2015, नई दिल्ली

छठी बोर्ड बैठक – 31 जुलाई 2016, नई दिल्ली

सातवीं बोर्ड बैठक – 03 दिसंबर 2016, नई दिल्ली

छठी बोर्ड बैठक – 31 जुलाई 2016, नई दिल्ली

आईडीएफ–ओआई के न्यासी बोर्ड की छठी बैठक 31 जुलाई, 2016 को नई दिल्ली में आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता माननीया मंत्री, श्रीमती सुषमा स्वराज द्वारा की गई। इस बैठक में, अध्यक्षा ने पांचवीं बोर्ड बैठक में लिए गए अधिकतर निर्णयों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने और इसके कामकाज के सभी पहलुओं में की गई प्रगति के लिए आईडीएफ–ओआई की सराहना की।

आईडीएफ–ओआई की छठी बोर्ड बैठक, 31 जुलाई 2016

बोर्ड ने वित्त वर्ष 2016–17 के लिए कार्य–योजना का अनुमोदन किया जिसका ध्यान स्वच्छ भारत मिशन और क्लीन गंगा मिशन (एनएमसीजी) से संबंधित परियोजनाओं पर केन्द्रित रहा। बोर्ड ने पेमेंट गेटवे के शुरू होने के बाद आईडीएफ–ओआई पूल फंड में यूएस $100 या अन्य मुद्राओं में समतुल्य राशि के न्यूनतम अंशदान के साथ अंशदान के प्रतिग्रहण का अनुमोदन किया।

सातवीं बोर्ड बैठक – 03 दिसंबर, 2016, नई दिल्ली

आईडीएफ–ओआई की सातवीं बोर्ड बैठक, 03 दिसंबर 2016

न्यासी बोर्ड की सातवीं बैठक 03 दिसंबर, 2016 को नई दिल्ली में श्री ध्यानेश्वर एम. मुलय, सचिव (ओआईए एवं सीपीवी), विदेश मंत्रालय एवं उपाध्यक्ष, आईडीएफ–ओआई की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बोर्ड ने आंध्र प्रदेश में तिरुपति और विजयवाड़ा में एसबीएम परियोजनाओं का आईडीएफ–ओआई द्वारा किए गए क्रियान्वयन को नोट किया और गंगटोक, सिक्किम और अमृतसर, पंजाब में अनवरत परियोजनाओं का स्वागत किया। इसने वृहत पैमाने की परियोजनाओं को स्वीकृत करने के लिए आईडीएफ–ओआई की संशोधित कार्यनीति एवं मौजूदा परिसंपत्तियों के पुनर्सृजन का अनुमोदन किया जिससे परियोजनाओं को उनके बजट परिव्ययों के आधार पर चयनित करने का संकेत मिला। बोर्ड ने इस बात को भी नोट किया कि आईडीएफ–ओआई ने परियोजनाओं की पहचान करने और उनके क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर; और निधियां जुटाने के लिए प्रवासी भारतीयों के साथ मिलकर अत्यन्त सक्रियतापूर्वक कार्य किया।

हम किस प्रकार काम करते हैं

भारतीय डायस्पोरा को परोपकार के माध्यम से अपने मूल देश के साथ जोड़ने के ध्येय से प्रेरित होकर आईडीएफ–ओआई अंशदानों को स्वच्छ भारत मिशन एवं क्लीन गंगा मिशन में; और शिक्षा, स्वच्छता, दीर्घस्थायी आजीविका, हैल्थकेयर और महिला सशक्तिकरण जैसे अन्य प्रमुख क्षेत्रों में लगा रहा है।

आईडीएफ–ओआई राज्य सरकारों से अनुरोध करता है कि वे विनिर्दिष्ट मानदंड के अनुसार इन सेक्टरों से संबंधित परियोजनाएं प्रस्तुत करें। प्राप्त परियोजनाओं का, अन्य बातों के साथ–साथ, लोकेशन, प्रक्षेत्रीय फोकस, बजट परिव्यय, लक्षित लाभार्थियों और क्रियान्वयनकर्ता एजेंसी के संदर्भ में आकलन किया जाता है।

परियोजना के एक बार अनुमोदित हो जाने के बाद, आईडीएफ–ओआई और परियोजना क्रियान्वयनकर्ता एजेंसी के बीच एक करार पर हस्ताक्षर किया जाता है जिसके उपरांत एक सहमत अनुसूची के अनुसार निधियों का 50% क्रियान्वयनकर्ता एजेंसी को अंतरित किया जाता हैं।

आईडीएफ–ओआई द्वारा एक परियोजना चयनित किए जाने पर उसका आईडीएफ–ओआई की वेबसाइट https://idfoi.nic.in/ और आईडीएफ–ओआई के सोशल मीडिया प्लेटफार्मों (फेसबुक और ट्विटर) और विदेश में स्थित भारतीय मिशनों एवं कन्सुलेटों के माध्यम से प्रवासी भारतीय संघों के बीच प्रचार–प्रसार किया जाता है।

अनुवीक्षण तंत्र

डायस्पोरा के परोपकारी कार्य को सुकर किए जाने में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आईडीएफ–ओआई ने परियोजना क्रियान्वयन की सम्पूर्ण प्रक्रिया का अनुवीक्षण करने के लिए एक प्रभावी प्रणाली स्थापित की है। आईडीएफ–ओआई अंशदाताओं को परियोजना क्रियान्वयन की प्रगति से नियमित रूप में अवगत कराता रहता है।

एक परियोजना अनुमोदित किए जाने के बाद, निधियों के संवितरण से पहले अपने सभी प्रचालनों में पूर्ण पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आईडीएफ–ओआई प्राप्तकर्ता संगठन के साथ एक करार पर हस्ताक्षर करता है। यह करार उसे आईडीएफ–ओआई को नियमित रूप में तिमाही अपडेट्स उपलब्ध कराना अनिवार्य बनाता है जिससे कि वह सहमत समय–अनुसूचियों के अनुसार निधियन प्राप्त कर सके। परियोजना क्रियान्वयनकर्ता एजेंसी का परियोजना के निर्माण, प्रचालन, रिपोर्टिंग और अनुवीक्षण के प्रति समग्र दायित्व है। इसका यह दायित्व भी है कि निधियां परियोजना अपेक्षाओं की जरूरत पूरी करे और उनका विधिवत रूप से लेखा–जोखा रखा जाए।

क्रियान्वयन की सम्पूर्ण प्रक्रिया के दौरान और प्रत्येक परियोजना के सम्पन्न होने के बाद आईडीएफ–ओआई परियोजना क्रियान्वयनकर्ता एजेंसी के साथ समन्वयन करता है और प्रगति के बारे में नियमित अपडेट्स हासिल करता है।

परियोजना क्रियान्वयनकर्ता एजेंसी से अपेक्षा की जाती है कि वह आईडीएफ–ओआई को परियोजना के बारे में नियमित प्रगति रिपोर्ट/वस्तुस्थिति रिपोर्ट भेजे। साथ में, फोटो एवं वीडियो के साथ इसके प्रभाव के बारे में भी बताए। परियोजना के पूरे होने के बाद, क्रियान्वयनकर्ता एजेंसी को तीन वर्षों की अवधि के लिए छह महीनों में एक बार, परियोजना के फोटो/वीडियो के साथ परियोजना समापन रिपोर्ट एवं निधि उपयोग विवरण प्रस्तुत करना है। इन सभी अपेक्षाओं के एक बार पूरे हो जाने के बाद आईडीएफ–ओआई द्वारा परियोजना क्रियान्वयनकर्ता एजेंसी को अंतिम भुगतान किया जाता है।

दानकर्ताओं को रिपोर्ट देना

आईडीएफ–ओआई प्रवासी भारतीय अंशदाताओं को परियोजना क्रियान्वयन की प्रगति के बारे में नियमित आवधिक रिपोर्टें और फोटोग्रॉफ भेजता है। परियोजना क्रियान्वयन के बारे में अपडेट्स भी आईडीएफ–ओआई के सोशल मीडिया मंचों (ट्विटर एवं फेसबुक) साथ–साथ डाले जाते हैं। अंशदाता आईडीएफ–ओआई के पोर्टल पर परियोजना की प्रगति देख सकते हैं। आईडीएफ–ओआई परियोजना साइट्स पर अंशदाताओं के विजिट्स को भी सुकर करता है ताकि वे परियोजना निष्पादन का सत्यापन कर सकें और परियोजना के लोकेशन, हितलाभ एवं प्रभाव को प्रत्यक्ष रूप में देख सकें।

Community Toilet in Varadaraja Nagar, Tirupati (2 Women + 2 Men)

आईडीएफ–ओआई द्वारा प्रस्तुत की जा रही परियोजनाएं

स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) और क्लीन गंगा मिशन दोनों ने भारतीय डायस्पोरा के बीच एक गहरा भावनात्मक बंधन कायम किया है जिन्होंने इन कार्यक्रमों के साथ जुड़ने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है।

स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम)

सर्वत्र स्वच्छता कवरेज हासिल करने के प्रयासों में तेजी लाने और 2 अक्तूबर, 2019 तक खुले में शौच करने की प्रथा समाप्त करने और स्वच्छता पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए भारत के प्रधान मंत्री ने 2 अक्तूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन का शुभारंभ किया। प्रवासी भारतीय स्वच्छ भारत मिशन में योगदान करने में सक्षम हो सकें, इस बात को लेकर तत्पर आईडीएफ–ओआई ने राजस्थान, जम्मू एवं कश्मीर, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मिजोरम, उड़ीसा, पंजाब, सिक्किम, उत्तराखंड, और पश्चिम बंगाल में सामुदायिक शौचालयों के निर्माण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़ी स्वच्छ भारत मिशन संबंधित अनेक परियोजनाओं को हासिल किया है। इन परियोजनाओं को प्रवासी भारतीयों द्वारा निधीयन किए जाने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है और इन्हें उत्साहजनक रिस्पांस मिला है।

संपन्न परियोजनाएं

आंध्र प्रदेश, पंजाब और सिक्किम में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता परियोजनाओं को आईडीएफ–ओआई द्वारा सहायता पहुंचाई गई थी और इन्हें 2016–17 में राज्य एजेंसियों द्वारा सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। ये परियोजनाएं आंध्र प्रदेश में तिरुपति और विजयवाड़ा में सामुदायिक शौचालय और अमृतसर, पंजाब में सार्वजनिक शौचालयके निर्माण से संबंधित थीं।

तीर्थ–नगरी तिरुपति में सामुदायिक शौचालय से लगभग 1600 तीर्थ–यात्रियों और इस सुप्रसिद्ध मंदिर में प्रतिदिन आने वाले स्थानीय निवासियों को लाभ मिला है। विजयवाड़ा सरकारी अस्पताल स्थित सामुदायिक शौचालय एक प्रयोक्तानुकूल स्वास्थ्यकर केन्द्र है। यह अस्पताल के आगंतुकों तथा निःशक्तजन सहित स्थानीय आबादी की स्वच्छता जरूरतों की पूर्ति कर रहा है। अमृतसर के रामबाग गार्डन में सार्वजनिक शौचालय ऐसी और एक परियोजना है जो स्वच्छ भारत मिशन के ध्येय एवं संकल्पना के अनुरूप है, और यह गार्डन के आगंतुकों, मलिन बस्ती निवासियों, पर्यटकों एवं स्ट्रीट वेंडरों को सुविधा प्रदान करता है जिन्हें शौचालय सुलभ नहीं हैं।

क्लीन गंगा मिशनं

क्लीन गंगा मिशन का उद्देश्य अपशिष्ट–जल प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, औद्योगिक प्रदूषण, और नदी मुख विकास से संबंधित चुनौतियों का निराकरण करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण के माध्यम से गंगा नदी का कायाकल्प करना है।

आईडीएफ–ओआई ने क्लीन गंगा मिशन के लिए प्रवासी भारतीयों से अंशदान प्राप्त किए हैं। क्लीन गंगा मिशन के तहत जो परियोजनाएं उपलब्ध हैं वे 2 करोड़ रुपए से लेकर 105 करोड़ रुपए के भिन्न–भिन्न परिव्ययों के हैं। आईडीएफ–ओआई इन अंशदानों को सुकर करने के लिए परियोजनाओं के प्रस्तुतीकरण हेतु एनएमसीजी के नियमित सम्पर्क में रहा है। जनवरी, 2017 में एनएमसीजी ने आईडीएफ–ओआई के माध्यम से निधीयन के लिए गौरीकुंड, रुद्रप्रयाग जिला–उत्तराखंड में विकास कार्य का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। एनएमसीजी की सिफारिश पर आईडीएफ–ओआई ने परियोजना के तीन संघटकों नामतः शेड सहित महिला एवं पुरुष तप्तकुंड का निर्माण, तप्तकुंड परिसर का निर्माण तथा मंदाकिनी नदी के साथ–साथ स्नान घाटों का विकास करने का प्रस्ताव किया है। क्रियान्वयनकर्ता एजेंसी उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड (यूटीडीबी) है।

राज्यों में परियोजनाएं

फिलहाल, 14 राज्य आईडीएफ–ओआई के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और उन्होंने शिक्षा, स्वच्छता, महिला एवं बाल विकास एवं हैल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में परियोजनाओं की पहचान की है।

भारत में अपने मूल स्थान के प्रति प्रवासी भारतीयों के भावनात्मक जुड़ाव को महसूस करते हुए आईडीएफ–ओआई ने राज्य सरकारों के साथ भागीदारी की है ताकि उनके द्वारा अभिचिह्नित सामाजिक एवं विकासपरक परियोजनाएं प्रवासी भारतीयों द्वारा अंशदान किए जाने के लिए उन्हें पेश की जा सकें।

आईडीएफ–ओआई प्रवासी भारतीयों के बीच इन परियोजनाओं का प्रदर्शन कर रहा है और स्वच्छता, विद्यालयों एवं कक्षाओं का निर्माण करने; विद्यालयों में स्वच्छ पेयजल तथा बिजली कनेक्शन की व्यवस्था करने; बाल देखभाल (आंगनवाड़ी) केन्द्रों तथा तृतीयक केयर कैंसर केन्द्रों की स्थापना करने और विद्यालयों में ढांचागत विकास करने से संबंधित परिसम्पत्ति निर्माण परियोजनाओं को बढ़ावा दे रहा है।

वित्तीय वर्ष 2016–17 में आईडीएफ–ओआई ने सभी महादेशों से प्रवासी भारतीयों से बैंकिंग चैनलों एवं ऑनलाइन पेमेंट गेटवे के माध्यम से अंशदान प्राप्त किया। इन अंशदानों को पूरे भारत के 10 राज्यों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत और शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में लगाया गया। आईडीएफ–ओआई आंध्र प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना में परियोजनाएं क्रियान्वित कर रहा है।

प्रक्रियाधीन परियोजनाएं

क्रियान्वयनाधीन परियोजनाओं की प्रगति का आईडीएफ–ओआई द्वारा नियमित रूप से अनुवीक्षण किया जाता है।

प्रवासी भारतीयों से
प्राप्त अंशदान

आईडीएफ–ओआई प्रवासी भारतीयों को या तो अपने क्षेत्र और पसंद के राज्य के आधार पर विनिर्दि ट परियोजनाओं में या आईडीएफ–ओआई पूल फंड में अंथदान करने के विकल्प की पेथकथ करता है। वे या तो एक परियोजना का पूर्ण रूप में चयन कर सकते हैं या परियोजना के पृथक संघटकों में अंथदान कर सकते हैं। प्रवासी भारतीयों द्वारा अंथदान या तो व्यक्तियों के समूह के रूप में व्यक्तिगत तौर पर, या भारतीयों के एक संघ के रूप में किए जा सकते हैं।

विदेशी अंशदानों को स्वीकृत करने के लिए आईडीएफ–ओआई का एक एफसीआरए खाता है। इसके अलावा, इसके पास प्रवासी भारतीयों के लिए भारत में एक पृथक खाता भी है जिसमें अंशदान करने के इच्छुक प्रवासी भारतीय एनआरआई/एनआरओ खातों से अंशदान कर सकते हैं।

आईडीएफ–ओआई पूल निधि

01 31 जुलाई, 2016 को ऑनलाइन पेमेंट गेटवे के साथ शुरु हुई आईडीएफ–ओआई पूल निधि प्रवासी भारतीयों के ऐसे लघु अंशदानों की जरूरतों की पूर्ति करती है जिनमें न्यूनतम अंशदान विदेशी मुद्राओं में यूएस $100 या समतुल्य हो।

02 अंशदाता वे क्षेत्र इंगित कर सकते हैं जिसमें वे अंशदान करना चाहते हैं।

03 पूल निधि में संग्रहित निधियों के उपयोग पर आईडीएफ–ओआई के प्रबंध समिति द्वारा निर्णय लिया जाता है जो यह सुनिश्चित करती है कि निधियों का एक संतुलित भौगोलिक और

04 आईडीएफ–ओआई अपने पूल निधि अंशदाताओं को निधियों के उपयोग, परिणामों एवं प्रभाव के बारे में रिपोर्ट उपलब्ध कराता है।

05 ये रिपोर्टें/अपडेट्स वित्त–पोषित परियोजनाएं' खंड के अंतर्गत आईडीएफ–ओआई की वेबसाइट पर भी डाले जाते हैं जिनसे जवाबदेही,अनुवीक्षण,रिपोर्टिंग और फीडबैक तंत्र सुनिश्चित होता है

आईडीएफ–ओआई के ऑनलाइन पेमेंट गेटवे का श्रीमती सुषमा स्वराज, अध्यक्षा द्वारा 31 जुलाई, 2016 को शुभारंभ किया गया।

ऑनलाइन पेमेंट गेटवे

विगत समय में प्रवासी भारतीय अंशदान भेजने के लिए मुख्यतया पारम्परिक बैंकिंग चैनलों जैसे बैंक अंतरणों, चैकों, डिमांड ड्राफ्ट्स, आरटीजीएस आदि का इस्तेमाल कर रहे थे।

भुगतानों के लिए इंटरनेट एवं ऑनलाइन मंचों के बढ़ते उपयोग एवं अधिमानता को देखते हुए श्रीमती सुषमा स्वराज, अध्यक्षा द्वारा 31 जुलाई, 2016 को आईडीएफ–ओआई के ऑनलाइन पेमेंट गेटवे का शुभारंभ किया गया।

इस भुगतान गेटवे ने प्रवासी भारतीयों के लिए एक सहजता से अभिगम्य ऐसा मंच उपलब्ध कराया है जिससे प्रवासी भारतीय अपनी पसंद एवं क्षमता के अनुसार प्रवासी भारतीयों से लघु एवं नियमित अंशदान प्राप्त करने में सक्षम हो सकें।

अन्य विदेशी मुद्राओं में यूएस $100 या इसके समतुल्य का न्यूनतम अंशदान आईडीएफ–ओआई पूल निधि में भेजा सकता है।

आस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, कतर, सिंगापुर, थाईलैंड, यूएई, यूके और यूएसए सहित पूरी दुनिया के प्रवासी भारतीयों ने आईडीएफ–ओआई में, खासकर स्वच्छ भारत मिशन में अंशदान करने के लिए पेमेंट गेटवे का उपयोग किया है।

पेमेंट गेटवे की मुख्य विशेषताएं :

1. अंशदान एक व्यक्ति के रूप में, व्यक्तियों के एक समूह के रूप में या संबंधित भारतीय संघों के माध्यम से किए जा सकते हैं।
2. प्रवासी भारतीय आईडीएफ–ओआई पूल निधि में या अपनी पसंद के राज्य या क्षेत्र की परियोजनाओं में अंशदान कर सकते हैं।
3. ऑनलाइन न्यूनतम अंशदान यूएस $100 है।
4. परियोजना क्षेत्र – शिक्षा, स्वच्छता, हैल्थकेयर, महिला सशक्तिकरण एवं दीर्घस्थायी आजीविका।
5. आईडीएफ–ओआई प्रवासी भारतीयों से प्राप्त अंशदानों से कोई भी प्रशासनिक प्रभारों की कटौती नहीं करता है।
6. प्रवासी भारतीय अपने विदेशी बैंक खातों के मास्टर/वीसा/एमेक्स/क्रेडिट एवं डेबिट कार्डों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आईडीएफ–ओआई के
अंशदाता : 2016–17

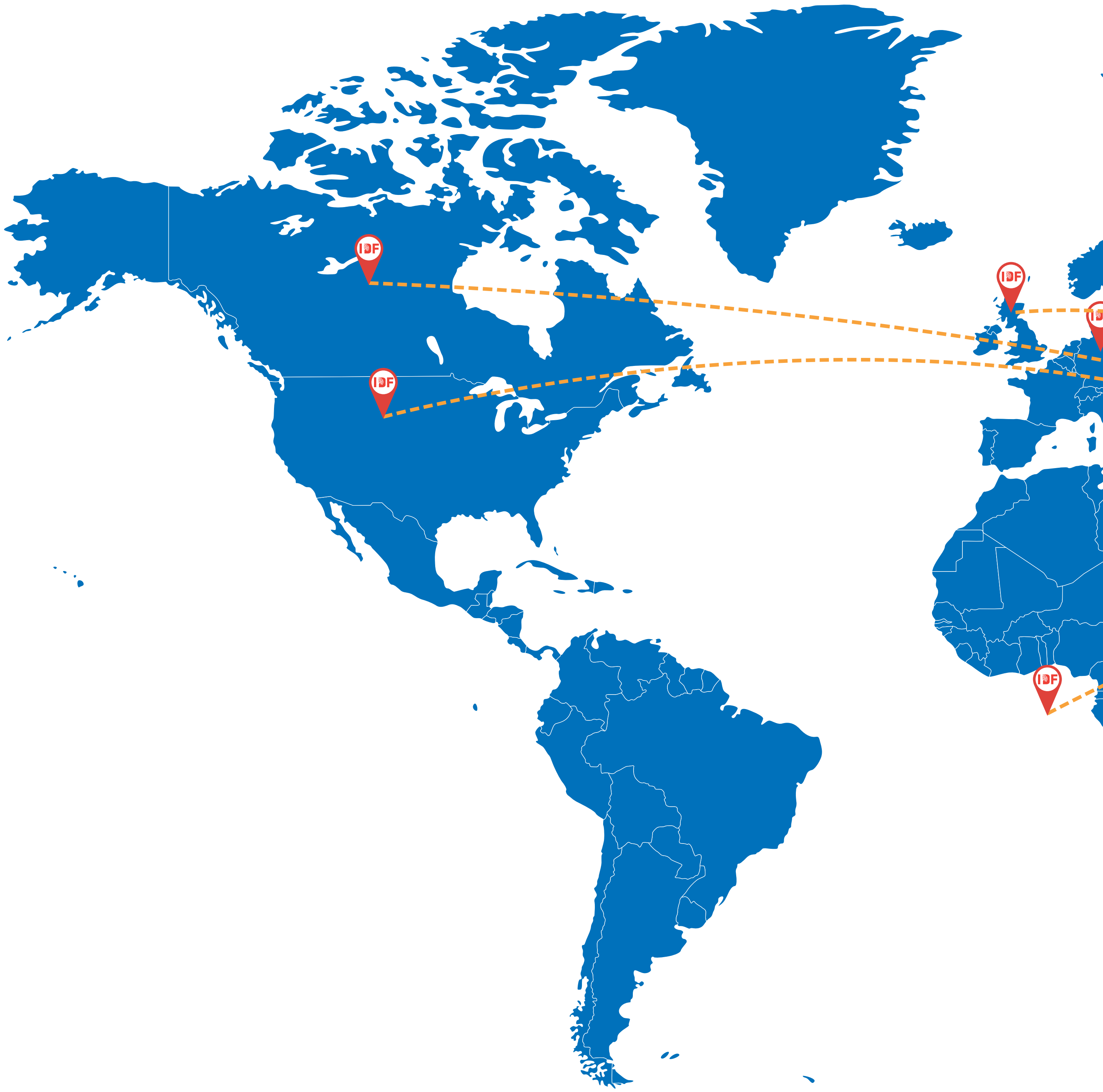

हमारे स्वाभिमानी अंशदाता

1. सुशील सर्राफ, थाईलैंड 2. विनय सचदेवा, थाईलैंड 3. प्रवीण सिंघवी, सिंगापुर 4. मनीष कासलीवाल, सिंगापुर 5. मनोज चतुर्वेदी, कतर 6. प्रणव श्रीकुमार, यू.ए.ई. 7. सत्यनारायण गुन्डा, यू.एस.ए. 8. युसुफ अली एम.ए., यू.ए.ई 9. रमाकांत अग्रवाल, हांगकांग 10. दौलत भौसले, थाईलैंड 11. डा. शमशीर वायलिल, यू.ए.ई. 12. पूरनमल बजाज, थाईलैंड 13. कृष्णकुमार तओरी, ओमान 14. भास्कर थान्के, कनाडा 15. श्रीराम केम्पाना, थाईलैंड 16. रमेश रालिया, यू.एस.ए. 17. सुनील कोठारी, थाईलैंड 18. डा. राज भयानी, यू.एस.ए. 19. सिंगापुर से अनिवासी भारतीयों का समूह

''आईडीएफ–ओआई सरकार की एक बड़ी पहल है जो हम सभी को उस देश को वापस कुछ देने के लिए प्रोत्साहित करती है जहां से हम आए थे। यह हमारे देश का अपने डायस्पोरा के साथ मित्रता का सुदृढ़ बंधन बनाए रखने की चाहत का एक बहुत बड़ा प्रमाण है। हम सभी के पास अपने राष्ट्र के लिए सपने हैं और यह उन सपनों को सच करने की दिशा में सरकार की मदद करने का हमारा अवसर है। ''

डा. शमशीर वायलिल,

संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, वीपीएस हैल्थकेयर यू.ए.ई.

''हालांकि, मेरा जन्म एवं लालन–पालन दुबई में हुआ था फिर भी, मैं अपनी मातृभूमि भारत से प्यार करता हूं। मैं स्वच्छ भारत अभियान का हिस्सा बनना पसंद करूंगा जो अपनी मातृभूमि को वापस देने का मेरा तरीका है। मैं अभियान को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सर को सलाम करता हूं। मैं आईडीएफ–ओआई के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन में 50,000/– भारतीय रुपए का दान देकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह असाधारण छात्र के लिए शेख हमदान उत्कृष्टता अवार्ड का हिस्सा है।''

–मास्टर प्रणव श्रीकुमार

छात्र, ग्रेड 6, इंडिया इंटरनेशनल स्कूल, यू.ए.ई.

''मैं सिंगापुर में श्री मोदी की पिछली यात्रा के दौरान अनिवासी भारतीयों के बीच दिए गए उनके भाषण और कई परियोजनाओं, जैसे कि स्वच्छ भारत मिशन एवं नमामि गंगे पर उनकी पहल से काफी प्रभावित हुआ। हममें से अधिकतर वेतनभोगी लोग हैं और हमारी सरकार से बदले में कुछ हासिल करने की कोई प्रेरणा नहीं है। मैं अपने 12 एनआरआई दोस्तों के साथ साफ–सुथरे एवं स्वच्छ भारत के लिए 10 लाख भारतीय रुपए की धनराशि का योगदान करके अत्यन्त खुश हूं। हम गर्व महसूस करते हैं कि हम संगठनों द्वारा हाथ में लिए गए ऐसे सार्थक एवं महान कार्य के लिए अपनी मातृभूमि से जुड़े हुए हैं।''

श्री कमल जैन

सिंगापुर स्थित अनिवासी भारतीय

''मैं पहले तेलंगाना में अपने गांव के लिए कुछ करने के बारे में सोच रहा था। मैंने इसे आईडीएफ–ओआई के माध्यम से करने का फैसला लिया क्योंकि आप यह परियोजना कार्यान्वित करने जा रहे हैं और उसके बाद आप यह भी देखेंगे कि यह उपयोगी हो और इसे उपयुक्त तरीके से कार्यान्वित किया जाए।''

श्री सत्यनारायण गुन्डा

यूएसए स्थित पीआईओ

आउटरीच कार्यकलाप

आईडीएफ–ओआई द्वारा 2016–17 में की गई नई पहल के चलते इसने दुनियाभर में प्रवासी भारतीयों के साथ हमारे जुड़ाव को सुदृढ़ किया, अपने भौगोलिक विस्तार को और बढ़ाया और विदेश स्थित अनेक भारतीय एसोशिएसनों एवं भारतीय समुदाय के नेताओं तक पहुंचा।

आईडीएफ–ओआई ने भारतीय डायस्पोरा, विशेषकर युवा ओवरसीज भारतीयों के साथ जुड़ने के लिए अपने सोशल मीडिया मंचों जैसे फेसबुक और ट्विटर के माध्यम से आउटरीच का विस्तार किया जिसके परिणामस्वरूप प्रवासी भारतीयों में दिलचस्पी बढ़ी और हम अनेक अंशदान जुटाने में सक्षम हुए। निधीयन के लिए उपलब्ध परियोजनाओं, आइडीएफ–ओआई के माध्यम से वापस देने की प्रेरक कहानियों, परियोजनाओं की प्रगति, अन्य आउटरीच कार्यकलापों के बारे में अपडेट्स नियमित रूप में डाले जाते हैं।

2016–17 में आईडीएफ–ओआई की नई पहल में गुगल हैंगआउट, आईडीएफ–ओआई वेबसाइट पर 'आईडीएफ–ओआई के मित्र' खंड की शुरुआत, स्वच्छ भारत मिशन परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन को साझा करने वाली आईडीएफ–ओआई की पहली 'कामयाब कहानी' और मार्च 2017 में लांच किया तिमाही न्यूज़लेटर शामिल थे।

2016–17 में आयोजित चार गुगल हैंगआउट प्रवासी भारतीयों के एक बड़े हिस्से को आईडीएफ–ओआई के प्रयत्नों तथा उन तरीकों के बारे में बताने में सहायक रहे जिनके जरिए वे अंशदान कर सकते हैं और इससे जुड़ सकते हैं। आईडीएफ–ओआई को परियोजना कार्यान्वयन, अनुवीक्षण एवं रिपोर्टिंग के बारे में उनके प्रश्नों का उत्तर देने चाहिए। हैंगआउट ने प्रवासी भारतीयों को आईडीएफ–ओआई परियोजनाओं के लिए निधियां जुटाने के लिए प्रेरित किया। अक्तूबर 2016 में पहले हैंगआउट के बाद यू.ए.ई. में इंडियन पीपुल्स फोरम ने आईडीएफ–ओआई के माध्यम से केरल में शौचालयों का निर्माण करने के लिए धन जुटाने के लिए एक अभियान का शुभारंभ किया।

आईडीएफ–ओआई ने 16 नवंबर, 2016 को आईडीएफ–ओआई की अध्यक्षा, श्रीमती सुषमा स्वराज के संदेश के साथ एक लघु प्रचारात्मक फिल्म को रिलीज किया। फिल्म में प्रस्तुत किया गया है कि आईडीएफ–ओआई किस प्रकार काम करता है, वे परियोजनाएं कौन–कौन सी हैं जिनके लिए निधीयन किया जा सकता है और साथ ही, निधीयन के तौर–तरीके, रिपोर्टिंग, अनुवीक्षण तंत्र आदि के बारे में भी ब्यौरा दिया गया है।

फिल्म ने प्रवासी भारतीयों के साथ सफलतापूर्वक एक भावनात्मक जुड़ाव कायम किया और इसे 150000 से अधिक बार देखा गया।

आईडीएफ–ओआई मध्य प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 21–23 अक्टूबर 2016, भोपाल में भाग लेते हुए

16 नवंबर 2016 को सीईओ, आईडीएफ–ओआई, श्रीमती वाणी राव ने थाईलैंड के इंडियन सोशल क्लब और बैंकाक के भारत दूतावास द्वारा स्थानीय रूप से आयोजित एक कार्यक्रम में बैंकॉक में भारतीय समुदाय के प्रमुख सदस्यों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में आईडीएफ–ओआई ने अपनी परियोजनाओं के लिए स्थानीय भारतीय समुदाय से यूएस $25000 का अंशदान प्राप्त किया।

श्री ध्यानेश्वर एम. मुलय, उपाध्यक्ष, आईडीएफ–ओआई एवं सचिव (ओआईए एवं सीपीवी), विदेश मंत्रालय ने 2016–17 में विदेश (न्यूयार्क, ओटावा, टोरंटो एवं सिंगापुर) में अपने विजिट्स के दौरान आईडीएफ–ओआई को बढ़ावा दिया।

आईडीएफ–ओआई के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए और प्रवासी भारतीय समुदायों के साथ जुड़ने के लिए मिशनों/कन्सुलेटों, भारतीय एसोशिएसनों, सामुदायिक संगठनों एवं प्रोफेशनल संगठनों को नियमित रूप में अपडेट्स भेजे गए।

प्रवासी भारतीय दिवस 2017

भारतीय डायस्पोरा : भारत की विकास संकल्पना को हासिल करने के उत्प्रेरक : प्रवासी भारतीयों का भारत विकास प्रतिष्ठान

आईडीएफ–ओआई ने 7–9 जनवरी तक बेंगलुरू में आयोजित 14वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन प्रदर्शनी में भाग लिया। आईडीएफ–ओआई का स्टॉल एक प्राइम लोकेशन में था।

आईडीएफ–ओआई ने अपनी प्रचारात्मक फिल्म, ईएएम से वीडियो संदेश, निधीयन के लिए उपलब्ध परियोजनाएं, अंशदान करने के बारे में मार्गदर्शन का प्रदर्शन किया और अपने प्रदर्शनी स्टॉल में इंटरएक्टिव एवं विजुअल डिस्प्ले के माध्यम से अंशदाताओं के संदेशों को रिकार्ड किया। इसके प्रदर्शनी स्टॉल में सैकड़ों प्रतिनिधियों ने विजिट किया।

08 जनवरी 2017 को पीबीडी 2017 के पहले पूर्ण अधिवेशन की अध्यक्षता श्री एम.जे. अकबर, विदेश राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा और सह–अध्यक्षता श्री ध्यानेश्वर एम. मुलय, सचिव (ओआईए एवं सीपीवी), विदेश मंत्रालय द्वारा की गई। यह आईडीएफ–ओआई के बारे में था और इसमें भारतीय डायस्पोरा : भारत की विकास संकल्पना को हासिल करने के उत्प्रेरक पर विचार–विमर्श किया गया।

पैनल ने एक पारदर्शी परियोजना अनुवीक्षण एवं निधि उपयोग तंत्र स्थापित करने की जरूरत को भी उजागर किया ताकि आईडीएफ–ओआई के प्रचालनों में जवाबदेही, कार्यकुशलता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। श्री मुलय ने पैनलिस्टों को सूचित किया कि मंत्रालय ने स्वच्छता, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, दीर्घस्थायी आजीविका एवं हैल्थकेयर के क्षेत्रों में ऐसे 100 से अधिक परियोजनाओं का चयन किया जिनमे प्रवासी भारतीय अंशदान कर सकते हैं।

बाएं से दाएंः बालेश सिंह धनकड़; अरुण कंकणी; सुभाष जिंदल एवं विजय चौथीवाले – सदस्यगण पीबीडी 2017 पैनल चर्चा।(i) 'भारतीय डायस्पोरा : भारत की विकास संकल्पना को हासिल करने के उत्प्रेरक : प्रवासी भारतीयों का भारत विकास प्रतिष्ठान' के दौरान

विदेश राज्य मंत्री, श्री एम.जे. अकबर श्री सत्यनारायण गुन्डा, यू.एस.ए. से अंशदान प्राप्त करते हुए

विदेश राज्य मंत्री, श्री एम.जे. अकबर श्री अशोक कुमार मागो, यू.एस.ए. से अंशदान प्राप्त करते हुए

सत्र के अंत में, आईडीएफ–ओआई ने प्रवासी भारतीयोंः श्री सत्यनारायण गुन्डा (यू.एस.ए.) से उनके मूल ग्राम, येंडलापल्ली, सूर्यापेट जिला, तेलंगाना के लिए एक परियोजना हेतु और श्री अशोक कुमार मागो (यू.एस.ए.) से अंबाला, हरियाणा में एक परियोजना हेतु मौके पर ही दो अंशदान प्राप्त किए।

लेखा–परीक्षित वित्तीय विवरण
वित्तीय वर्ष 2015–16

प्रवासी भारतीयों का भारत विकास प्रतिष्ठान
1005, 10वीं मंजिल, अकबर भवन
चाणक्य पुरी, नई दिल्ली – 110 021
31 मार्च 2016 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

	विवरण	नोट नं.		31 मार्च 2016 की स्थिति के अनुसार	
I	निधियों का स्रोत				
1	कार्पस निधि				
2	अनुदान एवं विदेशी अंशदान				
	सामान्य अनुदान	1		3,776,101.55	
	विदेशी अंशदान	2		9,852,048.17	13,628,149.72
3	दीर्घावधि उधार				
	प्राप्त अग्रिम–आईसीओई			482,666.00	482,666.00
4	चालू देयताएं				
	(क) अन्य चालू देयताएं (ख) सिक्युरिटी डिपॉजिट	3		14,331.00 5,000.00	19,331.00
	कुल				14,130,146.72
II	निधियों की अनुप्रयोज्यता				
1	गैर–चालू आस्तियां (क) नियत परिसंपत्तियां संलग्न सूची के अनुसार	4		1,162,915.35	1,162,915.35
2	चालू आस्तियां (क) बीईसीआईएल को अग्रिम (ख) नकद एवं नकद समतुल्य	5		432,117.00 12,535,114,37	12,967,231
	कुल				14,130,146.72

लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट (हमारी समसंख्यक तारीख के अभिलेख के अनुसार)

कृते अंतिमा एवं गोयल
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

ह./–
एन.के. जिंदल
(पार्टनर)
एफसीए, एम.नं. 91028
स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 16–05–2016

प्रवासी भारतीयों के भारत विकास प्रतिष्ठान के लिए

ह./–
श्रीमती वाणी राव
(मुख्य कार्यकारी अधिकारी)

आईडीएफ गिविंग ट्री–भारत के विकास की कहानी में अगला अध्याय

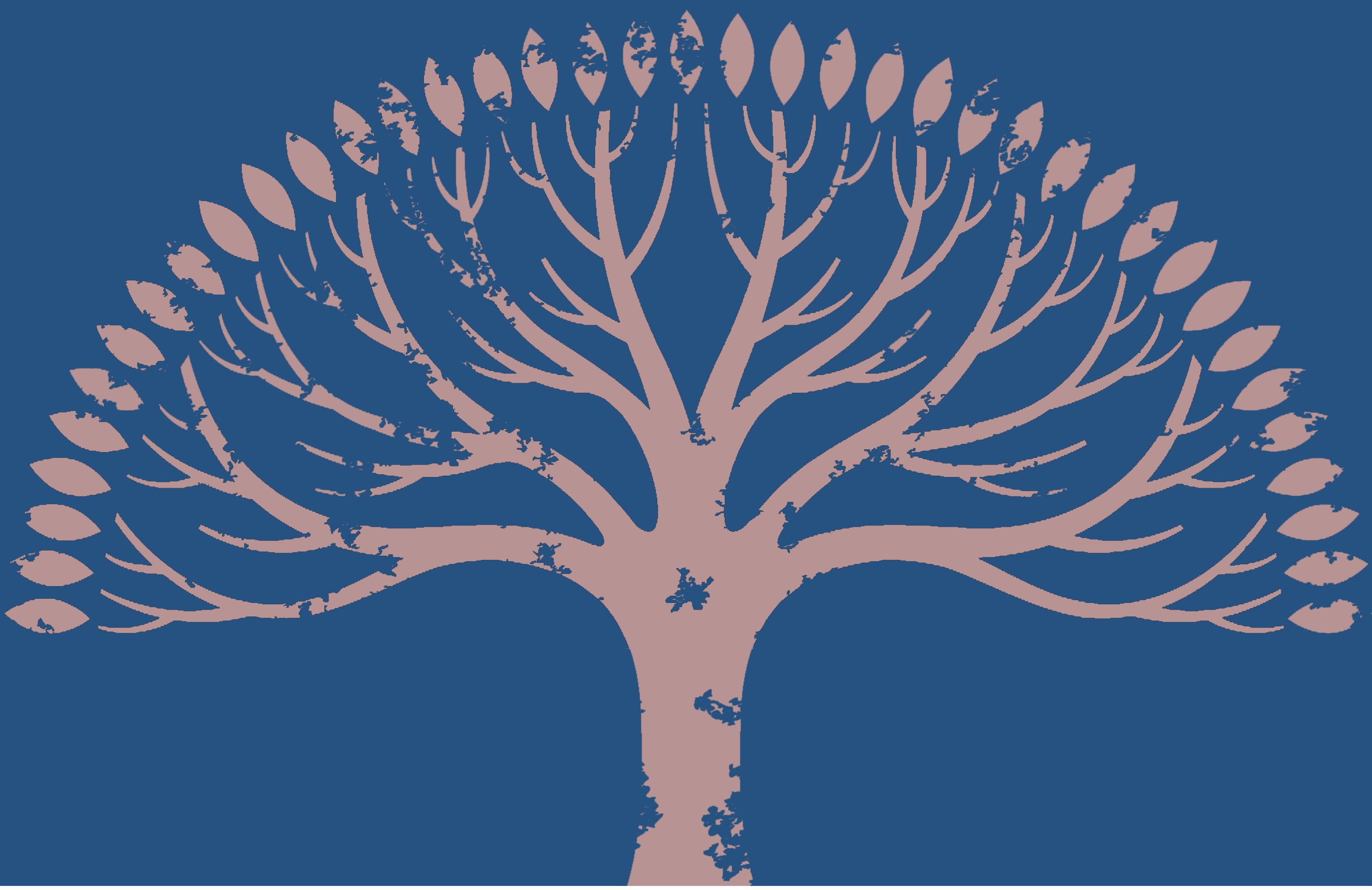

साथी

समर्थन

बढ़ावा देना

परिवर्तन

India Development Foundation
of Overseas Indians

प्रवासी भारतीयों का भारत विकास प्रतिष्ठान

(भारत सरकार के अंतर्गत पंजीकृत ट्रस्ट)

कमरा नंबर 1005, विदेश मंत्रालय, अकबर भवन

सत्य मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021

आईडीएफ गिविंग ट्री–भारत के विकास की कहानी में अगला अध्याय